प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पुरस्कार वितरण के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री ने किया किसान मेले का समापन

पंतनगर। २७ फरवरी, २०१८। पंतनगर के चार-दिवसीय किसान मेले का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज गांधी हाल में आयोजित किया गया। समारोह के अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत; एवं मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री राधा मोहन सिंह उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के कृषिमंत्री, श्री सुबोध उनियाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षाता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रबन्ध परिषद् के सदस्य एवं क्षेत्रीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला, निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास एवं निदेशक शोध, डा. एस.एन तिवारी; भी मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड में दो प्रकार के भू-भाग है, मैदानी व पर्वतीय, जिसमें पर्वतीय भू-भाग का लगभग ९० प्रतिशत हिस्सा असिंचित है, जिसके लिए अलग प्रकार की रणनीति बनाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र के संसाधनों, विशेषकर मानव संसाधन, का पूरा उपयोग नही हो पा रहा है। यहां के शिक्षित युवा किस प्रकार का कार्य करना चाहते है इस पर शोध किये जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र में बीज उत्पादन की संभावनाओं की ओर ध्यान दिये जाने की बात भी कही। उत्तराखण्ड को जैविक प्रदेश बनाने में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसे बढ़ाने तथा कम समय में गोबर की खाद तैयार किये जाने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। प्रदेश में उपलब्ध जल संसाधनों का मत्स्य उत्पादन हेतु उचित रूप से प्रयोग किये जाने के लिए उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा। प्रदेश सरकार द्वारा पानी के स्तर में गिरावट व जल की विषाक्तता को दूर करने के लिए किये जा रहे प्रयासों का भी उन्होंने उल्लेख किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राधा मोहन सिंह ने पंतनगर विश्वविद्यालय के गौरवशाली अतीत व वर्तमान में उसकी प्रदेश, देश, महाद्वीप एवं विश्व में स्थापित उज्जवल छवि का जिक्र करते हुए इसके बीज उत्पादन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में भी बताया, साथ ही उन्होंने पर्वतीय क्षेत्र के विलुप्त हो रहे मोटे अनाजों को संरक्षित व संवर्धित करने हेतु उनके बीज उत्पादन पर विश्वविद्यालय को ध्यान दिये जाने के लिए भी कहा। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने मृदा की गुणवत्ता बढ़ाने एवं सिंचाई जल के कम से कम प्रयोग की तकनीकों को प्रयोग करने हेतु किसानों को जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों से अपेक्षा की। किसानों की आमदनी दोगुना करने की प्रधानमंत्री की योजना के अन्तर्गत समन्वित खेती के मॉडल तैयार किये जाने पर भी उन्होंने बल दिया। श्री राधा मोहन सिंह ने केन्द्र सरकार के ३.७ वर्ष के कार्यकाल में किसानों व कृषि की दशा सुधारने के लिए चलाई गयी विभिन्न परियोजनाओं व किये गये कार्यों का भी जिक्र किया। अंत में उन्होंने केन्द्र सरकार की संस्थागत विकास परियोजना के अन्तर्गत वर्ष २०१८-१९ के प्रारम्भ में पंतनगर विश्वविद्यालय को २५ करोड़ की परियोजना दिये जाने की भी घोषणा की।

कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को किसानों में कृषि के प्रति छा रही उदासीनता को दूर करने में अग्रणी भूमिका निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को प्रदेश में हर माह प्रत्येक न्याय पंचायत में लगने वाली कृषि चौपाल में सहयोग करने के लिए भी कहा। उन्होंने आशा प्रकट की कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने ज्ञान व अनुभव से वर्ष २०२२ से पूर्व ही, वर्ष २०२० तक, किसानों की आय दोगुना करने में सफल होंगे। उन्होंने प्रदेश में नर्सरी एक्ट एवं जैविक खेती एक्ट लाये जाने तथा पलायन रोकने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों का शहरीकरण करने के बारे में भी बताया।

क्षेत्रीय विधायक राजेश शुक्ला ने खेती की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने तथा बदलते पर्यावरण के अनुसार नये शोध करने के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा तथा आशा प्रकट की कि इस विश्वविद्यालय ने किसानों की आय दोगुना करने का जो बीड़ा उठाया है उसमें आवश्य सफल होगा। पंतनगर विश्वविद्यालय को देश के सभी हिमालयी राज्यों के लिए केन्द्र समर्थित विश्वविद्यालय के रूप में बनाये जाने का उन्होंने केन्द्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया।

कुलपति प्रो. मिश्रा ने पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त विभिन्न अवार्डों तथा इसकी उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने किसान मेले में किसानों को विभिन्न माध्यमों जैसे प्रदर्शन, भ्रमण, गोष्ठी, व्याख्यान इत्यादि से दी गयी नयी तकनीकों की जानकारी के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी प्रसार हेतु किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। किसानों की आय दोगुना करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बनाये गये एवं राज्य व केन्द्र सरकार स्तर पर सराहे गये २२०० पृष्ठ के दस्तावेज की भी उन्होंने जानकारी दी, जिसका इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में चार-दिवसीय १०३वें किसान मेले के बारे में जानकारी देते हुए डा. वाई.पी.एस. डबास ने बताया कि इस मेले में विभिन्न फर्मों, विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी संस्थाओं के छोटे-बड़े ३०० स्टाल लगाये गये व हजारों किसानों, जिसमें नेपाल के किसान एवं विद्यार्थी भी सम्मिलित भी थे, ने मेले का भ्रमण किया। निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद दिया।

पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की आय दोगुना करने हेतु तैयार दस्तावेज का समापन समारोह में विमोचन करते (बायें से दायें) डा. वाई.पी.एस. डबास, श्री राजेश शुक्ला, श्री सुबोध उनियाल, श्री राधा मोहन सिंह, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, एवं प्रो. ए.के. मिश्रा।